

**रजतपट** पुं. (तत्.) सिनेमा का पर्दा जिस पर चित्र रूप में जीवंत अभिनय के साथ कथा दिखाई जाती है, चित्रपट screen

**रजतमय** वि. (तत्.) चाँदी से युक्त या चाँदी उत्पन्न करने वाला अथवा चाँदी का बना हुआ।

**रजतमाक्षिक** पुं. (तत्.) चाँदी से युक्त माक्षिक नामक धातु।

**रजतमिति** स्त्री. (तत्.) चाँदी या रजत के विभिन्न यौगिकों का प्रयोग करके किसी पदार्थ का रासायनिक विश्लेषण करने का विज्ञान।

**रटताई** स्त्री. (देश.) रटते रहने की क्रिया या भाव, किसी नाम, शब्द या वाक्य आदि को बार-बार कहने की क्रिया या गुण, कंठाग्र करने की प्रक्रिया।

**रणसिंघा** पुं. (तद्.) मध्ययुग में युद्ध के समय बजाई जाने वाली तुरही, नरसिंहा।

**रणस्तंभ** पुं. (तत्.) 1. युद्ध का स्मारक स्तंभ या खंभे के आकार में बना स्मृति चिह्न 2. विजय की स्मृति में बनवाया हुआ स्तंभ, विजयस्तंभ।

**रणस्थल** पुं. (तत्.) लड़ाई का मैदान, रणभूमि, युद्धक्षेत्र, रणक्षेत्र।

**रणहंस** पुं. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद, मनहंस, मानहंस, मानसहंस।

**रणांगण** पुं. (तत्.) लड़ाई का मैदान, युद्धभूमि, युद्धक्षेत्र, रणभूमि।

**रणाजिर** पुं. (तत्.) रणक्षेत्र, रणभूमि।

**रणातोद्य** पुं. (तत्.) (मध्ययुग में) युद्ध के समय बजने वाला बाजा, मारु बाजा, लड़ाई का डंका।

**रणित** वि. (तत्.) 1. झंकार करता हुआ (नूपुर, घुँघरू आदि) 2. मंद और मधुर ध्वनि में बजता हुआ पुं. 1. गुंजार, कोलाहल 2. शोर 3. नुपूरों की ध्वनि।

**रणोत्कट** वि. (तत्.) 1. जो युद्ध के लिए उन्मत्त हो, युद्धोन्मत 2. कार्तिकेय का एक अनुचर, एक दैत्य।

**रत** वि. (तत्.) 1. जो किसी काम में पूरे ध्यान से लगा हुआ हो, लिप्त, लीन, लगा हुआ 2. किसी के प्रति आसक्ति या अनुरक्ति, प्रीति, प्रेम 3. लाल रंग का रक्त, खून 4. संभोग 5. लिंग 6. योनि।

**रतजगा** पुं. (देश.) 1. रात्रि में जागरण 2. ऐसा उत्सव जिसमें पूरी रात जागना होता है उदा. देवी का रतजगा।

**रतताली** स्त्री. (देश.) कुटनी।

**रतन** पुं. (देश.) रत्न, नग, नगीना।

**रतनजोत** स्त्री. (देश.) 1. रत्नज्योति, एक प्रकार की मणि 2. औषधियों में काम आने वाला पौधा जिसके पत्ते हरे, फल काले और जड़ लाल होती है, बृहददंती, बड़ी दंती।

**रतना** स.क्रि. (देश.) 1. रेती नामक औजार से किसी वस्तु की सतह को चिकना या समतल करने के लिए रगड़ना 2. किसी वस्तु को काटने के लिए किसी तेज औजार की धार से रगड़ना 3. किसी तेज धारवाली वस्तु से धीरे-धीरे रगड़कर काटना 4. लगातार कष्ट देना अथवा हानि पहुँचाना 5. चूर-चूर करना, दलना 6. घिसना, रगड़ना।

**रतनागर** पुं. (देश.) 1. रत्नाकर, रत्नों की खान 2. समुद्र, सागर।

**रतनार** वि. (देश.) कुछ लाल रंग का, सुर्ख, रतनारा।

**रतनारी** वि. (देश.) 1. लाल रंग का, सुर्ख, लालिमा 2. एक प्रकार का धान या उसका चावल।

**रतमुँहा** वि. (देश.) लाल मुँह वाला, सुर्ख-रू पुं. बंदर, कपि, वानर।

**रतालू** पुं. (देश.) आलू जैसा एक कंद जिसकी सब्जी बनती है, पिंडालू, वाराहीकंद, गेंठी।

**रति** स्त्री. (तत्.) 1. प्रेम, अनुराग, प्रीति, मुहब्बत आनंद, हर्ष 2. जीवों को संभोग-सुख देने वाली वासना-शक्ति 3. काम-क्रीड़ा, संभोग, मैथुन 4. सौंदर्य, शोभा, छवि 5. सौभाग्य 6. प्रेम की देवी जो दक्ष की पुत्री और कामदेव की पत्नी है